

प्रेषक,

विजय कुमार ढौडियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,,  
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: १५ अगस्त, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु प्रशिक्षण प्रखण्ड में आयोजनागत पक्ष की अवचनबद्ध मदों की धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5697/डीटीईयू/लेखा/सेवा0/बजट मांग/ 2007, दिनांक 27.07.2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु प्रशिक्षण प्रखण्ड के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में अवचनबद्ध मदों की धनराशि संलग्न-विवरणानुसार रुपये 34,49,000/- (रुपये चौतीस लाख उन्नपचास हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएसएण्डडी, की दसों अथवा शर्तों, टेण्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- कम्प्यूटर आदि का क्रय एन0आई0सी0/आई0टी0 की संस्तुति अथवा उनके दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।



5- उक्त धनराशि को 31/3/2008 तक पूर्ण व्यय करते हुये उपयोगिता तथा उपभोग प्रमाण पत्र एवं प्रति माह व्यय विवरण शासन को उपलब्ध कराते हुए निदेशक अपने स्तर पर भी व्यय का मासिक अनुश्रवण सुनिश्चित करें।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-16, मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षक की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा। यह आंबटन निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के अधीन समस्त कार्यालयों के लिए किया जा रहा है।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 738/वित्त अनु0-5/2006, दिनांक: 14-अगस्त, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय

(विजय कुमार ढौंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1037(1)/VIII/25-प्रशि0/2007, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी।
- 3- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 4- वित्त अनुभाग-5
- 5- नियोजन विभाग।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(आर0के0 चौहान)  
अनुसचिव।

शासनादेश संख्या: 1037/VIII/25-प्रशि0/2007, दिनांक: १५ अगस्त, 2007 का संलग्नक:  
आयोजनागत अनुदान संख्या: 16 धनराशि हजार रुपये में

मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार

03-प्रशिक्षण

003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान

क्र०सं०	कोड/मद	आंबटित धनराशि
1.	02 मजदूरी	50
2.	04 यात्रा व्यय	300
3.	08 कार्यालय व्यय	500
4.	11 लेखन सामग्री/फार्म छपाई	100
5.	12 कार्यालय फर्नीचर/उपकरण	100
6.	16 व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं हेतु भुगतान	50
7.	21 छात्रवृत्तियां एवं छात्रवैतन	200
8.	27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	100
9.	29 अनुरक्षण	100
10.	42 अन्य व्यय	1599
11.	45 अवकाश यात्रा सुविधा	100
12.	46 कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	100
13.	47 कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय	150
	योग :	3449

शब्दों में : (रुपये चौतीस लाख उन्नपचास हजार मात्र)

  
(आर०के० चौहान)  
अनुसचिव।